प्रेरणा
कर्तव्य और कर्म जिसके साथ है, बस समझो जीत उसके पास है।

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-4 • 30 DECEMBER TO 05 JANUARY 2023 • VOLUME-24 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

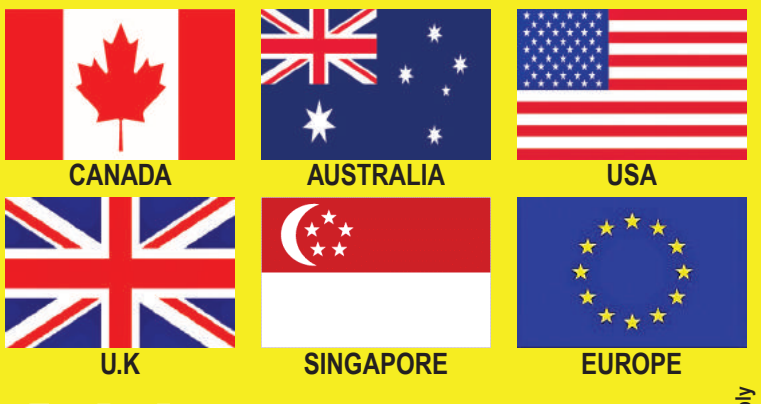

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

कोरोना के खतरे के मद्देनजर भारत सरकार का बड़ा कदम

6 देशों से आने वाले यात्रियों के लिए आरटी-पीसीआर टेस्ट अनिवार्य

नई दिल्ली. कुछ देशों में कोरोनो वायरस के मामलों में वृद्धि के बीच भारत ने 1 जनवरी, 2023 से चीन, जापान और चार अन्य देशों से आने वाले यात्रियों के लिए आरटी-पीसीआर टेस्ट अनिवार्य कर दिया है। चीन, हांगकांग, जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और थाईलैंड से यात्रा करने वाले यात्रियों को यात्रा से पहले अपनी रिपोर्ट एयर सुविधा पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि भारत की यात्रा करने के 72 घंटों के भीतर परीक्षण किए जाने चाहिए। यह कदम चीन और पूर्वी एशियाई देशों में कोविड-19 मामलों में तेजी

के बीच आया है। मंत्री ने कहा कि यह भारत आने पर आने वाली सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के यादृच्छिक दो प्रतिशत परीक्षणों के अतिरिक्त है, भले ही उनके प्रस्थान का बंदरगाह कुछ भी हो। कुछ देशों में कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी के बीच, सरकार ने अलर्ट जारी किया है, कोविड दिशानिर्देशों को कड़ा किया है और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा है।

गौरतलब है कि भारत में वैसे तो कोरोना की स्थिति नियंत्रण में है। हाल ही में मामलों में बढोतरी देखी गई है। 24 घंटे में कोरोना संक्रमित नए मरीजों का आंकड़ा 268 रिकॉर्ड किया गया जो एक दिन पहले 188 था। जबकि 2,36,919 लोगों की कोरोना जांच की गई थी। बता दें, कोरोना का ओमिक्रॉन सब-वेरिएंट बीएफ.7 चीन, जापान, हांगकांग, ताइवान, दक्षिण कोरिया, फ्रांस, इटली, जर्मनी और ब्राजील जैसे देशों में हाहाकार मचा रहा है।

कोचर दंपती और धूत 10 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेजे गए

मुंबई. विशेष अदालत ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंदा कोचर, उनके पति दीपक कोचर और वीडियोकॉन समूह के संस्थापक वेणुगोपाल धूत को ऋण धोखाधड़ी मामले में बृहस्पतिवार को 10 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

कोचर को सीबीआई ने पिछले शुक्रवार को गिरफ्तार किया था जबकि धूत को सोमवार को गिरफ्तार किया गया था। तीनों की पूर्व की हिरासत अवधि बृहस्पतिवार को समाप्त हो रही थी। उन्हें विशेष न्यायाधीश एस एच ग्वालानी के समक्ष पेश किया गया। सीबीआई ने तीनों की हिरासत आगे बढ़ाने की मांग नहीं की। सीबीआई का प्रतिनिधित्व विशेष सरकारी वकील ए लिमोसिन ने किया।

कफ सिरप से 18 बच्चों की मौत के मामले में विदेश मंत्रालय ने दिया जवाब

नई दिल्ली. दवा कंपनी मैरियन बायोटेक की खांसी की दवा पीने से उज्बेकिस्तान में कथित रूप से 18 बच्चों की मौत होने से जुड़े मामले की जांच केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने शुरू कर दी है। वहीं उज्बेकिस्तान में भारतीय कफ सिरप के चलते हुई कथित मौतों को लेकर विदेश मंत्रालय ने बयान जारी किया है। विदेश मंत्रालय प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि वहां मौजूद कंपनी के प्रतिनिधियों के ख़िलाफ़ उज्बेकिस्तान द्वारा न्यायिक जांच शुरू की गई है। इस मामले में हम जरूरी न्यायिक साहायता दे रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रेस विज्ञपति जारी की है और नोएडा में उनके प्लांट की जांच की जा रही है।

उज्बेकिस्तान में कथित तौर पर मैरियन बायोटेक फार्मा कंपनी की सिरप से 18 बच्चों की मृत्यु पर विदेश मंत्रालय प्रवक्ता ने कहा कि हमने इस मामले में मीडिया रोपोर्ट देखी है। उज्बेकिस्तान की एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही हैं लेकिन वहां हमारे दूतावास ने उनसे इस मामले में जानकारी मांगी है। रूसी पर्यटकों की मौत के मामले पर विदेश मंत्रालय प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि हमें इसकी जानकारी है और ओडिशा पुलिस हमारे कानूनों के अनुसार इसकी जांच कर रही है। बता दें कि डब्ल्यूएचओ में निदेशक (विनियमन और पूर्व अर्हता) डॉ. रोजेरियो गैस्पर को लिखे एक हालिया पत्र में भारत के औषधि महानियंत्रक डॉ.वी. जी. सोमानी ने कहा था कि मौतों के मद्देनजर अक्टूबर में वैश्विक स्वास्थ्य निकाय द्वारा हड़बड़ी में इसे भारत में निर्मित कफ सिरप से जोड़ा गया जिसके कारण भारतीय दवा उत्पादों की गुणवत्ता को लक्षित करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विमर्श बनाया गया।

50,000 रुपए की रिश्वत लेने के दोष अधीन सब-इंस्पेक्टर गिरफ्तार

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलाई गई मुहिम के दौरान आज थाना मोड़, ज़िला बठिंडा में तैनात सब-इंस्पेक्टर (एसआई) बलजीतपाल सिंह को 50,000 रुपए की रिश्वत लेने के दोष अधीन गिरफ्तार किया है। विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त दोषी कर्मचारी को शिकायतकर्ता राकेश कुमार निवासी प्रताप नगर, बठिंडा शहर की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने विजीलैंस ब्यूरो से संपर्क कर दोष लगाया कि उक्त पुलिस कर्मचारी ने उसे एक पुलिस शिकायत की जांच के मामले में नामज़द करने की धमकी देकर 50,000 रुपए रिश्वत की माँग की है।

शिकायतकर्ता ने आगे बताया कि दोषी पुलिस कर्मचारी ने सुबह उससे 20 हज़ार रुपए ले लिए और बाकी पैसों की माँग कर रहा है। राकेश कुमार ने रिश्वत की यह रकम देते समय सबूत के तौर पर सारी बातचीत को रिकॉर्ड कर लिया।

उक्त दोषी पुलिस कर्मचारी ने शिकायतकर्ता को धमकी देकर कहा कि उसका तबादला किसी अन्य थाने में हो चुका है, परन्तु जाने से पहले उसकी तरफ से रिश्वत की रकम न देने की सूरत में शिकायतकर्ता और उसके रिश्तेदारों को पुलिस केस में नामज़द करके जाऊँगा।

ब्यूरो ने दोषों की पड़ताल के उपरांत दोषी को पकडऩे के लिए जाल बिछाया। उक्त दोषी पुलिस कर्मचारी को दो सरकारी गवाहों की हाजिऱी में रिश्वत की दूसरी किस्त के तौर पर 30,000 रुपए लेते हुए रंगे हाथों काबू कर लिया गया।

ब्यूरो की टीम ने पुलिस कर्मचारी के कब्ज़े से 50 हज़ार रुपए बरामद कर लिए, जो उसने रिश्वत के तौर पर दो बार लिए थे। इस सम्बन्धी उक्त पुलिस कर्मचारी के ख़िलाफ़ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत विजीलैंस के थाना बठिंडा में मामला दर्ज कर लिया है।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान 113 बार नियम तोड़ चुके हैं राहुल गांधी

कांग्रेस द्वारा अधिक सुरक्षा की मांग के बाद सीआरपीएफ ने दिया जवाब

नई दिल्ली. कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में देश भर में चल रही भारत जोड़ो यात्रा इन दिनों दिल्ली में है। इस दौरान राहुल गांधी की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है, जिसके बाद कांग्रेस नेता की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस पार्टी ने गृह मंत्रालय को चिट्ठी लिखकर कड़ी सुरक्षा करने की मांग की। इसके बाद अब खुद सीआरपीएफ ने जवाब देते हुए कहा है कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान 113 बार अपनी सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन कर चुके है। इस मामले पर अब आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

कांग्रेस द्वारा सवाल खड़े किए जाने के बाद सरकारी अधिकारियों का कहना है कि राहुल गांधी के लिए निर्धारित दिशानिर्देशों के तहत सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए गए थे, जबकि उन्होंने स्वयं कई मौकों पर दिशानिर्देशों का ''उल्लंघन'' किया। कांग्रेस की ओर से, राष्ट्रीय राजधानी में 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान कथित सुरक्षा चूक की शिकायत करने के एक दिन बाद सरकारी अधिकारियों ने यह बयान दिया है।

सीआरपीएफ का जवाब : अधिकारियों ने आरोप लगाया कि कई मौकों पर राहुल गांधी ने स्वयं निर्धारित दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया और इस बात से उन्हें समय-समय पर अवगत भी कराया गया। अधिकारियों ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा 2020 से सुरक्षा दिशानिर्देशों का 113 बार उल्लंघन किया गया।'' अधिकारियों ने कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के दिल्ली चरण के दौरान गांधी ने सुरक्षा दिशानिर्देशों का ''उल्लंघन'' किया और केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) जो उन्हें 'जेड प्लस' श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराती है, इस मामले को अलग से भी उठाएगी।

यूजीसी नेट दिसंबर 2022 परीक्षा की तारीखों का ऐलान

नई दिल्ली. यूजीसी नेट 2022 की परीक्षा को लेकर यूजीसी ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 29 दिसंबर 2022 से शुरू कर दी गई है। रजिस्ट्रेशन के लिए आखिरी तारीख 17 जनवरी 2023 तय की गई है। देश के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में सहायक प्रोफेसर बनने के लिए इस परीक्षा को पास करना जरूरी होता है। यह कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) 83 विषयों के लिए कराई जाएगी। यूजीसी के चेयरमैन जगदीश कुमार ने एक ट्वीट भी किया। इस परीक्षा को सफलतापूर्वक कराने का जिम्मा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को दिया गया है। इस परीक्षा का आयोजन 21 फरवरी 2023 से लेकर 10 मार्च 2023 तक किया जाएगा। नेट परीक्षा के लिए 2 पेपर होते हैं। पहला पेपर सभी अभ्यर्थियों के लिए कॉमन होता है जबकि दूसरा पेपर विशेष सब्जेक्ट का होता है।

पंजाब में नए साल पर आतंकी हमले का अलर्ट, बड़ी संख्या में जवान तैनात

चंडीगढ़ : खुफिया एजेंसियों ने नए साल पर पंजाब में आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया है। सूत्रों के अनुसार अलर्ट में बताया गया है कि आईएसआई के इशारे पर कई आतंकी संगठन पंजाब में दहशत फैलाने के उद्देश्य से हमला करवा सकते हैं। सूचना है कि कोर्ट काम्प्लेक्स, डीसी दफ्तर, एसएसपी दफ्तर, थानों के अलावा सरकारी कार्यालयों को निशाना बनाया जा सकता है। इनपुट के बाद पंजाब के प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सरकारी कार्यालयों की सुरक्षा में बड़ी संख्या में जवान तैनात हैं।

पुलिस फोर्स को 24 घंटे सतर्क रहने का भी आदेश दिया गया है। रात के समय विशेष नाकेबंदी की जा रही है। मोहाली जिले के हर एंट्री-एग्जिट प्वाइंट पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की जा रही है। खुफिया सूचना के अनुसार पंजाब के कई जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। आतंकी अलर्ट के बाद मोहाली पुलिस ने भी कमर कस ली है। इस संबंध में पुलिस का कोई भी उच्चाधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। हालांकि जिला पुलिस ने जनता को अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

आतंकी हमले की सूचना के बाद मोहाली को 41 जोनों में बांटकर प्रत्येक जोन में पीसीआर की गश्त 24 घंटे की जा रही है। पुलिस की इस योजना पर काम करते हुए बुधवार को बेड़े में 28 नई पीसीआर गाड़ियां शामिल की गई हैं।

मोहाली शहर में कुल 25 जोन, जीरकपुर में छह, खरड़ में चार, मुल्लांपुर और डेराबस्सी में दो-दो व कुराली और नयागांव में एक-एक जोन बना है। प्रत्येक जोन में पीसीआर की एक गाड़ी हर समय सड़क पर रहेगी। शहर से गुजरते नेशनल हाईवे पर भी पुलिस की मौजूदगी रहेगी ताकि आपराधिक किस्म के लोगों के बीच पुलिस का खौफ बरकरार रहे।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने संघ राज्य क्षेत्रों के सम्मेलन की अध्यक्षता की

2047 के लिए विजन तैयार करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संघ राज्य क्षेत्रों को देश के बाकी हिस्सों के लिए सुशासन और विकास का मॉडल बनाने के विजन को पूरा करने की दिशा में आज नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में गृह मंत्रालय ने संघ राज्य क्षेत्रों पर एक सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन अमृत काल के पंच प्राण से प्रेरित था। सम्मेलन में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, कैबिनेट सचिव, केंद्रीय गृह सचिव, संघ राज्य क्षेत्रों के मुख्य सचिव और प्रशासक के सलाहकार तथा संघ राज्य क्षेत्रों के अन्य अधिकारी, गृह मंत्रालय और संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने संघ राज्य क्षेत्रों को देश के लिए रोल मॉडल बनाने

पर जोर देते हुए कहा कि यदि संघ राज्य क्षेत्रों की क्षमता का पूरी तरह से दोहन किया जाए तो भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। अमित शाह ने संघ राज्य क्षेत्रों को 2047 के लिए अपना विजन तैयार करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संघ राज्य क्षेत्रों को पर्यटन, विकास और कल्याण का केंद्र बनने की दिशा में प्रयास करते हुए माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी के "वोकल फॉर लोकल" और "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के आदर्श वाक्य से प्रेरणा लेनी चाहिए।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि सभी संघ राज्य क्षेत्रों को राष्ट्रीय उद्देश्यों और विजन प्राप्त करने और विकास यात्रा में देश को आगे ले जाने के लिए एक साथ आकर एक साझा मंच पर तालमेल से काम करना चाहिए। शाह ने कहा कि संघ राज्य क्षेत्र भौगोलिक आकार में छोटे हैं और इनका प्रशासनिक ढांचा अपेक्षाकृत सरल है, इसलिए पायलट कार्यक्रमों के साथ प्रयोग करने के लिए संघ राज्य क्षेत्र आदर्श प्रोटोटाइप हैं। इन प्रयोगों का संघ राज्य क्षेत्रों में छोटे पैमाने पर परीक्षण किया जा सकता है और फिर देश के बड़े क्षेत्रों और राज्यों में दोहराया जा सकता है। उन्होने कहा कि विकास और जन भागीदारी के लिए सहकारी समितियों, विशेष रूप से मत्स्य पालन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। साथ ही संघ राज्य क्षेत्रों को बाहरी संसाधनों पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए अपने विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए ताकि इस प्रक्रिया में राजस्व के नुकसान को कम किया जा सके। शाह ने कहा कि अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने और परिवहन आदि की लागत कम करने के लिए देश में पर्यटक सर्किट विकसित किए जाने चाहिए।

अमित शाह ने कहा कि इस अमृत काल में सभी भारतीयों को भारत को "सर्वश्रेष्ठ भारत" में बदलने का संकल्प लेना चाहिए। यह वर्ष 2047 के लिए जब भारत स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा के लिए एक समग्र विजन वर्ष है। सभी संघ राज्य क्षेत्रों को 2047 के लिए एक रोडमैप और अगले 5 वर्षों के लिए एक कार्य योजना और अगले 5 वर्षों के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक वार्षिक योजना तैयार करनी चाहिए। अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए इन कार्य योजनाओं के कार्यान्वयन और प्रगति की भी नियमित रूप से और कड़ाई के साथ निगरानी और समीक्षा की जानी चाहिए।

ब्रह्मोस के नए वेरिएंट का टेस्ट सफल

नई दिल्ली. भारतीय वायु सेना ने गुरुवार को एसयू-30एमकेआई विमान से एक जलपोत को निशाना साधकर आकाश से प्रक्षेपित ब्रह्मोस मिसाइल के अधिक दूरी की क्षमता वाले संस्करण का सफल परीक्षण किया। सरकार ने यह जानकारी दी। मिसाइल ने बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में अपेक्षित मिशन उद्देश्यों को प्राप्त किया।

सरकार की ओर से जारी बयान के अनुसार, भारतीय वायु सेना ने एसयू-30एमकेआई विमान से एक जलपोत को निशाना साधकर आकाश से प्रक्षेपित ब्रह्मोस मिसाइल के अधिक दूरी की क्षमता वाले संस्करण का सफल परीक्षण किया। इसके साथ, वायु सेना ने बहुत लंबी दूरी पर जमीन या समुद्री लक्ष्यों के खिलाफ एसयू-30एमकेआई विमान से सटीक हमले करने के लिए महत्वपूर्ण क्षमता विस्तार प्राप्त कर लिया है।

सीबीएसई ने जारी की 10वीं-12वीं परीक्षा की डेटशीट

नई दिल्ली. सीबीएसई ने शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा की तारीखों की घोषणा कर दी है। 10वीं की बोर्ड परीक्षा 15 फरवरी से 21 मार्च 2023 के बीच व कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा 15 फरवरी से 5 अप्रैल 2023 तक आयोजित की जाएगी। छात्र सीबीएसई की अधिकारिक वेबसाइट पर जाकर डेटशीट डाऊनलोड कर सकते हैं। लाखों विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा कार्यक्रम और

तिथियों की घोषणा का इंतजार था। 10वीं की बोर्ड परीक्षा पेंटिंग, राय, गुरुंग, तमांग, शेरपा और थाई पेपर के साथ शुरू होगी और गणित के मानक और गणित के बेसिक पेपर के साथ समाप्त होगी। अधिकांश पेपरों की परीक्षा का समय सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक होगा। वहीं, सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा एंटरप्रेन्योरशिप के पेपर से शुरू होगी और साइकोलॉजी के पेपर के साथ खत्म होगी। कक्षा 12वीं की परीक्षाओं का परीक्षा समय अधिकांश पेपरों के लिए सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक होगा।

सीबीएसई ने कक्षा 10वीं, 12वीं की बोर्ड परीक्षा तिथि पत्र 2023 की घोषणा करते हुए कहा कि आमतौर पर दोनों कक्षाओं में दो प्रमुख विषयों के बीच परीक्षा में पर्याप्त अंतर दिया गया है।

नए साल के जश्न के लिए मस्त डेस्टिनेशन, दुनिया भर से आते हैं लोग

नए साल पर लोग 31 दिसंबर की शाम से पार्टी करते हैं और फिर 12 बजते ही खुली बाहों से नए साल का स्वागत करते हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** सेलिब्रेशन

क्रिसमस के बाद से नए साल 2023 के लिए उलटी गिनती शुरू हो जाएंगी। नए साल का जश्न मनाना आम बात है क्योंकि हर नई शुरुआत बड़ी एनर्जी और पॉजिटिविटी के साथ आती है। घड़ी को देखना और इंतजार करना 31 दिसंबर की रात के सबसे इंतजार किए जाने वाले पलों में से एक है। सेलिब्रेशन में शामिल होने के लिए तैयार हो जाइए और अब तक का सबसे अच्छा नया साल सेलिब्रेट करें।

गोवा

नए साल का जश्न मनाने के लिए गोवा सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली जगहों में से एक है। शानदार न्यू ईयर ईव सेलिब्रेट करने के लिए ये बेस्ट है। मजेदार मौसम और डिफरेंट कल्चर देखने लायक है। यहां दुनियाभर से लोग पार्टी करने के लिए पहुंचते हैं।

गुलमर्ग

जिन लोगों को बर्फ और खामोशी पसंद है। ये सहर उनके लिए है। प्रकृति प्रेमियों के लिए ये प्लेस स्वर्ग है और भारत में नए साल का जश्न मनाने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

मनाली

'देवताओं की घाटी' में साल भर पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है, लेकिन नए साल के मौके पर मनाली देखने लायक होता है। यह शहर आपका नया साल शुरू करने के लिए एक खूबसूरत जगह है। ठंड के माहौल के साथ-साथ अलाव का आनंद लेने का मजा नए साल की मस्ती का मजा दोगुना कर देता है।

ऊटी

नए साल का सद्भाव में स्वागत करना चाहते हैं तो तमिलनाडू में ऊटी जा सकते हैं। तेज संगीत, चकाचौंध पार्टियों और भीड़ के साथ एक शाम का आनंद लेने के लिए बहुत अच्छी है।

मैक्लोडगंज

यह प्रसिद्ध हिल स्टेशन कई आश्चर्यजनक दर्शनीय स्थलों, क्लासिक कैफे और अद्वितीय तिब्बती स्मृति चिन्हों को समेटे हुए है। धर्मशाला के पास मैक्लोडगंज में नए साल का जश्न मजेदार तरीके से होता है।

GIFT TIPS

नए साल पर पापा हो या हसबैंड, स्पेशल फील करवाएंगे ये क्यूट न्यू ईयर गिफ्ट आइडियाज

आप भी इस नए साल पर अपनी लाइफ के स्पेशल मर्द को, फिर चाहे वो पापा, भाई या आपके पति ही क्यो न हो, कुछ अलग और अच्छा उपहार में देना चाहती हैं तो ये न्यू ईयर गिफ्ट आइडियाज....

जीवन के खट्टे-मीठे अनुभवों के साथ कुछ ही दिनों में साल 2022 सबको अलविदा कहने वाला है। जिसके बाद एक जनवरी साल 2023 से नए साल की शुरूआत होगी। नया साल सबके लिए नए अवसर, जीवन की नई शुरुआत और नया दृष्टिकोण साथ लेकर आता है। हर साल की तरह आने वाले साल को भी खुशनुमा बनाए रखने के लिए लोग एक दूसरे को प्यार भरी शुभकामनाएं और उपहार भेजते हैं। ऐसे में अगर आप भी इस नए साल पर अपनी लाइफ के स्पेशल मर्द को, फिर चाहे वो पापा, भाई या आपके पति ही क्यो न हो, कुछ अलग और अच्छा उपहार में देना चाहती हैं तो ये न्यू ईयर गिफ्ट आइडियाज आपकी मदद कर सकते हैं।

न्यू ईयर गिफ्ट आइडियाज फॉर मेन

पावर बैंक : आजकल लगभग सभी के पास स्मार्टफोन है। फोन एक तरीके से जीवन का हिस्सा बन चुका है, ज्यादातर जरूरी काम अब फोन पर ही होता है, ऐसे में इसकी बैटरी चार्ज होना जरूरी है। इसलिए आप उनको पावर बैंक भी गिफ्ट कर सकती हैं।

स्मॉर्टवॉच : अगर आपके पापा,भाई या पति को गैजेट्स से प्यार है तो आप उन्हें गिफ्ट में स्मार्टवॉच दे सकती हैं। आपके इस गिफ्ट में रियल-लाइफ फिटनेस ट्रैकर, हार्ट रेट मॉनिटर, ब्लूटूथ कॉलिंग और कई दूसरी सुविधाएं भी हैं। जो उनके लुक के साथ फिटनेस का भी ध्यान रखने में उनकी मदद करेगी।

मेन कार्डिगन स्वेटर : प्योर वूल से बने वी नेक और फुल स्लीव्स के ब्लैक कार्डिगन ज्यादातर हर मर्द पर फबते हैं। ठंड के इस मौसम में यह एक शानदार शॉपिंग चॉइस बन सकता है।

हैंडमेड लेदर बुकमार्क : अगर आपके घर में दादाजी या पापा को किताबें पढ़ना बेहद पसंद है, तो उन्हें ये लेदर बुकमार्क्स प्रजेंट कर सकते हैं। मार्केट में मिलने वाले हैंडमेड लेदर बुकमार्क अलग-अलग एंटीक डिजाइन और रंग में उपलब्ध हैं जो उन्हें भी जरूर पसंद आएंगे।

ट्राइफोल्ड वॉलेट : लेदर का ब्लैक वॉलेट मजबूत और लंबे समय तक चलने वाला सेफ, सोफेस्टिकेटेड और यूजफुल गिफ्ट आइटम हो सकता है। आजकल बाजार में मिलने वाले ट्राइफोल्ड वॉलेट में तीन फोल्ड होते हैं जो अल्ट्रा-स्लिम डिजाइन के साथ दिखने में बेहद ट्रेंडी लगते हैं। लड़कों के रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए यह एक परफेक्ट गिफ्ट हो सकता है।

स्नीकर शूज : बात चाहे स्टाइल की हो या फिर सेहत की, पैरों पर पहने गए स्नीकर्स शूज दोनों का ख्याल रखते हैं। नए साल पर आप ये स्मार्ट लुकिंग स्टाइलिश शूज पापा, भाई से लेकर प्यार पतिदेव को भी गिफ्ट कर सकती हैं।

हेल्दी ब्रोकली-पालक कटलेट चटनी के साथ लगते हैं जबरदस्त

ब्रोकली और पालक दोनों ही हेल्थ के लिए बेहतरीन होता है। हालांकि इसका स्वाद हर किसी को पसंद नहीं होता, लेकिन इससे कुछ टेस्टी डिश बनाई जा सकती हैं।

सर्दियों के मौसम में ब्रोकली और पालक दोनों ही काफी अच्छी आती हैं। हालांकि, इन दोनों सब्जियों को खाने से लोग कतराते हैं। क्योंकि इनका स्वाद और सब्जियों के मुकाबले कुछ अलग होता है। लेकिन, इस बात को नकारा नहीं जा सकता है, कि ये दोनों सब्जियां हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद हैं। दोनों में पोषक तत्वों की अच्छी मात्रा होती है।

अगर आपके घर में भी इन दोनों सब्जियों को देखकर नाक मुंह सिकोड़े जाते हैं तो आप दोनों चीजों को मिलाकर हेल्दी और टेस्टी कटलेट बना सकती हैं।

ब्रोकली-पालक कटलेट बनाने के लिए आपको चाहिए....

- ब्रोकली
- पालक
- कद्दूकस किया हुआ अदरक
- हरी मिर्च
- पनीर
- चीज क्यूब
- भुना हुआ बेसन
- नमक
- काली मिर्च
- चिली फ्लैक्स
- काला नमक
- धनिया

कैसे बनाएं

- इसे बनाने के लिए सबसे पहले ब्रोकली को कद्दूकस करें। इसके अलावा पालक को उबाल लें। ध्यान रखें की पालक को निचोड़कर सारा अतिरिक्त पानी निकाल दें और ब्रोकली को धोकर सुखा लें ताकि ज्यादा पानी अंदर न जाए।
- उबली पालक को काट लें और फिर एक बर्तन में पालक, ब्रोकली को लें। फिर इसमें कद्दूकस किया हुआ अदरक, बारीक कटी हरी मिर्च, कद्दूकस किया पनीर, एकसचीज क्यूब, भुना हुआ बेसन डालें।
- फिर इसमें सभी मसाले जैसे नमक, काली मिर्च, चिली फ्लैक्स और काला नमक के साथ बारीक कटा धनिया डालकर अच्छे से मिक्स करें।

हैप्पी वाइब्स के लिए घर में जरूर रखें ये चीजें

घर में हैप्पी वाइब्स के लिए आपको कई छोटी-छोटी चीजों पर ध्यान देना चाहिए। जैसे, घर में पौधे लगाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी बनी रहती है।

जालंधर ब्रीज. जिंदगी में गुड वाइब्स का बहुत ही महत्व होता है। खुश रहने और घर में पॉजिटिव एनर्जी बनाए रखने के लिए छोटी-छोटी चीजें भी बहुत मैटर करती हैं। ऐसे में घर में हैप्पी वाइब्स के लिए आपको कई छोटी-छोटी चीजों पर ध्यान देना चाहिए। जैसे, घर में पौधे लगाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी बनी रहती है इसलिए अगर आप घर में इनडोर प्लांट लगाते हैं, तो यह घर के माहौल और मूड के लिए कुछ चीजों को घर में जरूर रखें।

कलरफुल पेंटिंग : घर में कलरफुल पेंटिंग रखना न भूलें। इससे भी घर में पॉजिटिव वाइब्स आती है। जानवरों और पक्षियों की पेंटिंग रखने से मन शांत रहता है। वहीं, आप श्री गणेश और कृष्ण जी और राधा रानी की पेंटिंग भी घर में लगा सकते हैं। ये काफी शुभ मानी जाती है।

विंड चाइम : विंड चाइम की आवाज को काफी पॉजिटिव माना जाता है। कहते हैं इसकी मीठा आवाज सुनकर मन खुश हो जाता है इसलिए आपको विंड चाइम भी ड्राइंग रूम में जरूर लगाना चाहिए।

स्टार लाइट्स : रात के वक्त आपको अपना घर और भी खूबसूरत नजर आएगा, अगर आप घर में स्टार या राइज लाइट्स लगाएंगे। गुड लक और हैप्पी वाइब्स के लिए लाइट्स को भी घर में जरूर लगाएं।

एसेंसियल ऑयल्स : ऑयल्स भी आपके दिमाग को शांत रखने के लिए कारगर हैं। शाम के समय डिफ्यूजर में आप लैवेंडर, रोज या फिर रोज मेरी ऑयल्स डाल सकते हैं। इससे पूरे घर में महक रहती है और मन भी काफी खुश रहता है। आप अपनी पसंद का कोई भी ऑयल खरीद सकते हैं।

दूध में मिलाकर पीएं सौंफ-काली मिर्च का पाउडर, बढ़ेगी आंखों की रोशनी

• **जलंधर ब्रीज.** हेल्थ

आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप उसे प्राकृतिक चीजें हैं। इसके लिए सबसे जरूरी है कि आप एक हेल्दी डायट लें। पौष्टिक खाने की चीजों और विटामिनों के निरंतर आपूर्ति आपकी आंखों की रोशनी को बढ़ा सकती है। दादी-नानी अक्सर आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए ताजे फल, हरी सब्जियां और रोजाना दूध पीने की सलाह देती हैं। लेकिन अगर बच्चे की आंखों की रोशनी पहले से ही कम है और वह चश्मा लगा रहा है तो सिर्फ दूध पीने से काम नहीं बनेगा। यहां दूध से बनने वाले आईसाइट बूस्टिंग ड्रिंक की रेसिपी बता रहे हैं।

EYE CARE

नैचुरल तौर पर अपनी आंखों की रोशनी में सुधार करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपनी आंखों को वह सब कुछ दें जो उन्हें हेल्दी रहने के लिए चाहिए।

आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए...

आंखों की रोशनी बूस्ट करने के लिए आपको एक पाउडर बनाकर रखना है। इसी पाउडर की मदद से ही आप आंखों की रोशनी बूस्ट करने वाले ड्रिंक को तैयार कर सकती हैं। इसके लिए आपको चाहिए सौंफ, कली मिर्च, बादाम और मिश्री। इन चारों चीजों को अच्छे से ब्लेंड करें और पाउडर बना लें। इस पाउडर को एक एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें। अब करना ये है कि जब भी दूध पीएं, उसमें ये पाउडर एक चम्मच मिलाएं और फिर इस ड्रिंक का मजा लें। नियमित तौर पर इसे पीने के बाद आपको अच्छे रिजल्ट मिलेंगे।

पाउडर में मौजूद चीजों के फायदे

बादाम आंखों की हेल्थ के लिए अच्छे होते हैं। इसमें विटामिन ई होता है। विटामिन ई की नियमित मात्रा का सेवन उम्र से संबंधित मोतियाबिंद को रोकने में मदद कर सकता है। आंखों की मजबूती के लिए अपने रोजाना की डायट में बादाम को शामिल करें। काली मिर्च में पिपेरिन नामक एक एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो आंखों की रोशनी में सुधार करता है। पिपेरिन रेटिना को डैमेज से बचाने में मदद करता है और आंखों में ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करता है। मुट्ठी भर सौंफ के बीज आपकी आंखों के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। इसमें विटामिन ए होता है जो आंखों के लिए जरूरी विटामिन है।

भारत की जी20 अध्यक्षता: वैश्विक संघर्षों में कमी, कार्बनीकरण में कमी, विकास और डिजिटलीकरण से जुड़े 4डी के जरिये समाधान

पिछले पखवाड़े में, जब से भारत ने जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की है, दुनिया ने भारतीय अतिथि सत्कार के सार को अतिथि देवो भवः की उक्ति में निहित देखा है - अतिथि, भगवान स्वरुप होते हैं। साझा भविष्य की दृष्टि के साथ, भारत जी-20 की अध्यक्षता वाले वर्ष को एक अवसर के रूप में देखता है। सदी में एक बार होने वाली विघटनकारी वैश्विक महामारी, वैश्विक संघर्षों, आसन्न जलवायु संकट और आर्थिक अनिश्चितता के बाद के प्रभावों के साथ, दुनिया वर्तमान में अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में, अधिकांश वैश्विक ताकतें, कोविड-19 महामारी के दौरान लोगों की रक्षा करने और उनकी आजीविका को संरक्षित करने पर केंद्रित रहीं हैं। हालाँकि, इनमें से कई अनिश्चितताएँ आज भी विद्यमान हैं। भारत की अध्यक्षता दुनिया को 4डी पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर देती है, ताकि संघर्षों को कम किया जा सके; त्वरित, न्यायसंगत और समावेशी विकास के लिए तेजी से डिजिटलीकरण हो सके तथा जलवायु संकट से मुकाबले के लिए कार्बनीकरण में कमी लाने को ध्यान में रखते हुए युक्तिसंगत रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए प्रयास किया जा सके।

वैश्विक संघर्षों में कमी और कूटनीति

सितंबर में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान अपने रूसी समकक्ष के साथ हुई बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के वक्तव्य "आज का युग, युद्ध का नहीं होना चाहिए" की प्रतिध्वनि दुनिया भर में सुनायी दी। यह रूस-यूक्रेन संघर्ष पर जी-20 की संयुक्त घोषणा का आधार वाक्य भी बना। जी-20, वैश्विक संघर्षों को कम करने के लिए समर्थन जारी रखने का अवसर भी प्रदान करता है। विभिन्न देशों के साथ सहयोग और नियम-आधारित बहुपक्षवाद को बढ़ावा देना भारत की विदेश और आर्थिक नीति के मौलिक सिद्धांत रहे हैं। भारत कई बहुपक्षीय संगठनों का सदस्य है और इनमें से प्रत्येक ने दुनिया को एक सुरक्षित और अधिक संरक्षित स्थान बनाने में रचनात्मक भूमिका निभाई है। भारत विकासशील देशों की चिंताओं को मुखर समर्थन देने और यह सुनिश्चित करने में भी सक्षम रहा है कि उनके हितों की रक्षा की जानी चाहिए। जी-20 की अध्यक्षता, भारत को उन बड़े शक्तिशाली राष्ट्रों, जिनमें वह भी एक है और छोटे, विकासशील राष्ट्र, जो उस पर भरोसा करते हैं; के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करने का अवसर भी प्रदान करती है।

डिजिटलीकरण और विकास के अंतिम सिरे पर खड़े व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाना

2005 और 2021 के बीच, भारत 415 मिलियन लोगों को बहुपक्षीय गरीबी से बाहर निकालने में सफल रहा है। पिछले 8 वर्षों में, हमने प्रौद्योगिकी के उपयोग और विशेष रूप से डिजिटलीकरण के माध्यम से गरीबी उन्मूलन से जुड़े कार्यों में तेजी देखी है। 2014 में, भारत ने सरकार के नेतृत्व में एक अभियान की शुरुआत की, जिसके तहत बैंकिंग प्रणाली से बाहर रहे गरीबों और वंचितों के लगभग 500 मिलियन बैंक खाते खोले गए, जिनमें 260 मिलियन महिलाएं शामिल थीं। भारत की डिजिटल पहचान प्रणाली - आधार और एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (यूपीआई) के जरिये, व्यक्तिगत स्तर पर नए तौर-तरीकों के साथ, जनकल्याण से जुड़े धन अंतरण के लक्ष्य पूरे किए गए हैं। 1980 के दशक में एक पूर्व प्रधानमंत्री ने टिप्पणी की थी कि अंतिम लाभार्थी तक केवल 15 प्रतिशत (1 रुपये में 15 पैसे) ही पहुंच पाता है। 2020 में, जब दुनिया वैश्विक महामारी से जूझ रही थी, भारत महत्वपूर्ण लक्षित नकद अंतरण के माध्यम से सर्वाधिक गरीब लोगों की आजीविका को सुरक्षित करने में सक्षम रहा।

आज भारत की जनसंख्या के विशाल पैमाने पर उपलब्ध पहचान प्रणाली और वास्तविक समय पर भुगतान प्रणाली से जुड़ी विश्व स्तरीय डिजिटल

जालंधर ब्रीज

जी. किशन रेड्डी
(भारत सरकार में केन्द्रीय संस्कृति, पर्यटन और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री हैं)

सार्वजनिक अवसंरचना, शेष दुनिया के लिए एक मॉडल है। कोविड-19 संकट के दौरान भी, वैक्सीन प्लेटफॉर्म - कोविन - ने भारत को अपने टीकाकरण प्रयासों को विस्तार देने और 2 बिलियन से अधिक खुराकें देने में बहुत सहायता की। विकसित और विकासशील दुनिया इन प्रणालियों का अनुकरण कर सकतीं हैं तथा भारत को अपने अनुभव और सीख को बाकी दुनिया के साथ साझा करने में ख़ुशी होगी।

विकास और अकार्बनीकरण

जैसे-जैसे भारतीय अर्थव्यवस्था विकसित होगी और भारत के लोग अधिक समृद्ध होते जायेंगे, भारत की ऊर्जा संबंधी जरूरतें भी बढ़ेंगी। वर्ष 2015 में, पेरिस में हुए कॉप-21 शिखर सम्मेलन में, भारत ने 2030 तक अपने कुल बिजली उत्पादन का 40 प्रतिशत हिस्सा गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से हासिल करने का वादा किया था। इस लक्ष्य को लगभग एक दशक पहले ही नवंबर 2021 में हासिल कर लिया गया। भारत ने दुनिया के सामने इस बात का उदाहरण पेश किया है कि विकास का एजेंडा और पर्यावरण रक्षा की कवायद बिना किसी बाधा के एक-दूसरे के साथ-साथ चल सकते हैं।

भारत ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) जैसी बहुपक्षीय पहल को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अक्सर जलवायु न्याय - अलग-अलग जिम्मेदारियों के साथ एक ऐसा न्यायसंगत ढांचा जहां विकसित देश जलवायु वित्त और प्रौद्योगिकी में बदलाव की प्रक्रिया की अगुवाई करें- के माध्यम से जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के बारे में बात की है। भारत के पास इस वार्ता को जी-20 में जारी रखने और यह सुनिश्चित करने की विश्वसनीयता हासिल है कि इन अलग-अलग जिम्मेदारियों का पालन हो।

संयुक्त समृद्धि का साझा भविष्य

भारत ने अपने विचारों और ज्ञान को दुनिया के भौगोलिक और सांस्कृतिक विभाजनों के परे जाकर मुक्त रूप से साझा किया है। जी-20 में भारत की अध्यक्षता का विषय "एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य" महा उपनिषद के संस्कृत वाक्यांश वसुधैव कुटुम्बकम - समूचा विश्व एक परिवार है- से प्रेरित है । यह विषय न केवल हमारे प्राचीन दर्शन को प्रतिध्वनित करता है बल्कि उत्तरदायित्व, कार्रवाई और समृद्धि के लिए एक संयुक्त आह्वान की राह भी निर्धारित करता है। भारत की 20,000 भाषाओं और विविध संस्कृतियों में, एक साझा वैश्विक भविष्य और आपस में जुड़ी एक विश्व व्यवस्था का विचार एक आम विषय है। छठी शताब्दी ईसा पूर्व के प्रसिद्ध तमिज़ कवि कनियान पूनगुनरानार ने लिखा था, "इस पृथ्वी पर स्थित सभी स्थान हमारे शहर हैं और सभी लोग हमारे रिश्तेदार हैं, हम सभी के पूर्वज एक ही हैं"। ये दर्शन हमें न सिर्फ पीढ़ी-दर-पीढ़ी सौंपे गए हैं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय चेतना में भी अंतर्निहित हैं। अब यह नियमित रूप से दिखाई देता है कि भारत कैसे दुनिया के साथ जुड़ता है। संकट के समय और एक भयानक वैश्विक महामारी के दौरान, भारत ने 150 से अधिक देशों को कोविड-19 से संबंधित चिकित्सीय एवं अन्य सहायता उपलब्ध करायी। वैक्सीन मैत्री कार्यक्रम के माध्यम से, भारत ने 94 देशों और दो संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं को कोविड के टीके की लगभग 75 मिलियन खुराकें प्रदान की है। रूस और यूक्रेन के बीच शत्रुता के दौर में, भारत सरकार ने न सिर्फ 90 से अधिक उड़ानें संचालित करके 22,500 भारतीय छात्रों को निकाला बल्कि लगभग 20 देशों के 150 से अधिक विदेशी नागरिकों को भी बचाया। अब जबकि भारत ने जी20 की अध्यक्षता ग्रहण कर ली है, अमृत काल के हिस्से के रूप में अगले 25 वर्षों के लिए उसने खुद के लिए जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं, वह संयुक्त समृद्धि के साथ-साथ एक साझा वैश्विक भविष्य का आधार बन सकता है। कार्रवाई और विकास की ओर उन्मुख यह अध्यक्षता एक ऐसी नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिए प्रयास करेगी जो अंतरराष्ट्रीय शांति को बढ़ावा दे और एक स्थायी, समग्र एवं समावेशी तरीके से न्यायसंगत और समानता पर आधारित विकास की हिमायत करे और ऐसा बिल्कुल ही संभव है।

खेल विज्ञान और सेवाओं में शैक्षणिक सहयोग हेतू सीमा सुरक्षा बल और पंजाब विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

दिनांक 27 दिसंबर 2022 को सीमा सुरक्षा बल और पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ के बीच वैज्ञानिक प्रणालियों के उपयोग से खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार और खेलों में लगने वाली चोटों के बेहतर इलाज एवं निवारण के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

सीमा सुरक्षा बल की ओर से पी वी रामाशास्त्री, भा0पु0सेवा, अपर महानिदेशक और पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ की ओर से प्रोफेसर यजवेंद्र पाल वर्मा, रजिस्ट्रार ने पंजाब विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजकुमार की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

सीमा सुरक्षा बल ने एथलीटों की आंतरिक प्रतिभा का वैज्ञानिक पोषण सुनिश्चित करने और उनके खेल कौशल का सम्मान करने के लिए मुख्यालय विशेष महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल, पश्चिमी कमान, चण्डीगढ में स्पोर्टस परफोरमेन्स एन्हान्समेंट सेंटर के रूप में एक व्यापक सुविधा स्थापित की है। सीमा सुरक्षा बल ने पहले ही मानव क्षमता के आंतरिक कौशल पर काम करके खेल उत्कृष्टता के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर एक पहचान बनायी है। पंजाब विश्वविद्यालय एक प्रमुख शैक्षणिक केन्द्र है, जिसमें खेलों की एक समृद्ध विरासत है, जो कई विश्व स्तर के एथलीट तैयार करने के लिए जाना जाता है।

पंजाब विश्वविद्यालय, मुख्यालय विशेष महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल, पश्चिमी कमान चण्डीगढ के संस्थान में चलाये जा रहे पाठ्यक्रमों के लिए आवश्यक शैक्षणिक मार्गदर्शन और संबद्धता प्रदान करेगा। दोनों संस्थानों ने निम्न संयुक्त उपमों के माध्यम से खेल के क्षेत्र में नये मापदण्ड स्थापित करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया है-

- संयुक्त रूप से खेल और इससे संबंधित क्षेत्र, शैक्षणिक कार्यक्रम व उपम।
- एक-दूसरे के साथ खेल विशेषज्ञताओं का आदान-प्रदान करना।
- संयुक्त रूप से खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।
- वैज्ञानिक तकनीक द्वारा प्रशिक्षण एवं सूचनाओं का आदान-प्रदान करके, दोनों संस्थानों को पारस्परिक तौर पर लाभान्वित करना.

यह समझौता ज्ञापन अपनी तरह का पहला ज्ञापन है, जोकि पंजाब विश्वविद्यालय और सीमा सुरक्षा बल के खिलाड़ियों के लिए कई नये रास्ते खोलेगा।

अटारी-वाघा वार्डर पर लहराएगा देश का सबसे ऊंचा तिरंगा

जालंधर ब्रीज. अटारी बॉर्डर घूमने आने वाले लोगों का रोमांच दौगुना होने वाला है। यहां पर देश का सबसे ऊंचा तिरंगा फहराने की कवायद तेज हो गई है। नेशनल अथॉरिटी ऑफ इंडिया से मंजूरी मिलने के बाद तिरंगे की लंबाई को 360 फीट से बढ़ाकर 418 फीट किया जा रहा है। जल्द ही ये काम पूरा हो जाएगा।

पाकिस्तान के झंडे से ऊंचा होगा तिरंगा : वर्तमान समय में अटारी बॉर्डर पर लहराने वाले भारत के तिरंगे झंडे की ऊंचाई 360 फीट है जिसे 2017 में वहां स्थापित किया गया था। जबकि वाघा चेक पोस्ट के सामने लगे पाकिस्तान के झंडे की ऊंचाई 400 फीट है। यानी वर्तमान समय में इंडिया के झंडे से पाकिस्तान का झंडा ऊंचा है। हालांकि जल्द ही तिरंगे की ऊंचाई को 360 फीट से बढ़ाकर 418 फीट कर दिया जाएगा, जिसके बाद पाकिस्तान का झंडा तिरंगे से छोटा होगा।

आने वाले गणतंत्र दिवस तक पूरा हो जाएगा काम : नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने ज्वाइंट चेक पोस्ट अटारी पर देश का सबसे ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज फहराने की तैयारियों शुरू कर दी हैं। माना जा रहा है कि आने वाले गणतंत्र दिवस पर ये गगनचुंबी ध्वज फहराया जाएगा। कयास ये भी लगाए जा रहे हैं कि तिरंगे की ऊंचाई बढ़ने के बाद पाकिस्तान भी अपने राष्ट्रीय ध्वज की ऊंचाई को बढ़ा सकता है।

तेज हवा के चलते 3 बार फट गया था तिरंगा : बताते चलें कि अटारी पर एनएचएआई ने 2017 में 360 फीट ऊंचा, 120 लंबा व 80 फीट चौड़ा तिरंगा फहराया था जो 3 बार तेज हवा के कारण फट गया था। जिसके बाद इसे ठीक करके वापस फहराया गया था। इस पर काफी विवाद भी हुआ था। इसी दौरान पाकिस्तान ने चीन की मदद लेते हुए अपने झंडे को तिरंगे से 40 फीट ऊंचा कर लिया था। तभी से इंडिया तिरंगे को पाकिस्तान के झंडे से ऊंचा करने की कवायद में लगा हुआ है।

पांच वर्षों के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि मोटे अनाजों का उत्पादन बढ़ने में सहायक; देश के किसानों की आय में बढ़ोतरी

जालंधर ब्रीज. भारत में भोजन में मोटे अनाज का उपयोग करने की परंपरा रही है, लेकिन 1960 के दशक में हरित क्रांति के जरिये खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के कारण, मोटे अनाजों को 'गैर-जरूरी फसल' करार दे दिया गया, जिसके कारण उसकी खपत भी कम हो गई और उसे लगभग भुला दिया गया। हरित क्रांति के पहले, सभी फसली अनाजों में मोटा अनाज लगभग 40 प्रतिशत होता था, जो आने वाले वर्षों में गिरकर लगभग 20 प्रतिशत रह गया। न केवल मोटे अनाज की खपत में गिरावट आई, बल्कि जितने रकबे में उसका उत्पादन होता था, उसकी जगह वाणिज्यिक फसलों, तिलहन, दलहन और मक्के ने ले ली। ये वाणिज्यिक फसलें फायदेमंद हैं और उनके उत्पादन को भी कई नीतियों से समर्थन मिलता है, जैसे सब्सिडी, सरकारी खरीद और सार्वजनिक वितरण प्रणाली में उन्हें शामिल करना। इसका नतीजा यह हुआ कि खान-पान की आदतों में बदलाव आ गया और कैलरी से भरपूर महीन अनाजों की खपत को प्राथमिकता दी जाने लगी। इस पृष्ठभूमि में देखा जाये, तो भारत सरकार को देश में पोषण सुरक्षा के निर्माण में मोटे अनाज की अहमियत का अनुभव हुआ और उसने इस दिशा में कई प्रयास किये, जैसे मोटे अनाज को पोषक-अनाज के रूप में मान्यता, वर्ष 2018 में राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष समारोह, संयुक्त राष्ट्र महासभा में अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष का प्रस्ताव करना और कई अन्य छोटे पैमाने की नीतियां।

अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्षः परिचय

मोटे अनाज (ज्वार, बाजरा, रागी आदि) सबसे पुराने भोज्य-पदार्थ हैं, जिनके बारे में मानवजाति को सबसे पहले पता चला था। मोटे अनाज ऐसी पहली फसल है, जिसकी खेती भारत में की जाने लगी थी। ऐसे कई प्रमाण मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि सिंधु घाटी सभ्यता के दौरान मोटे अनाजों को खाया जाता था।

मोटे अनाज की महत्ता को पहचानकर, और लोगों को पोषक भोज्य-पदार्थ उपलब्ध कराने तथा स्वदेशी व वैश्विक मांग का सृजन करने के क्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से दिशा प्राप्त करते हुए भारत सरकार ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के रूप में घोषित करने में अग्रणी भूमिका निभाई। भारत के प्रस्ताव को 72 देशों ने समर्थन दिया, और मार्च 2021 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के रूप में घोषित कर दिया। तो, क्या है मोटा अनाज?

मोटे अनाज आमतौर से छोटे दाने वाली फसल के वर्ग में आते हैं। उन्हें प्राय : पोषक-अनाज या कम पानी वाले अनाज भी कहते हैं। इनमें ज्वार, बाजरा, रागी, कुटकी, काकुन, चीना, सावा, कोदो और अन्य मोटे अनाज शामिल हैं। मोटा अनाज नियमित खुराक वाली फसल है, जो शुष्क भूमि में उगती है। यह कम पानी वाले इलाकों में पैदा होती है। भारत में मोटे अनाज बहुधा उन राज्यों में पैदा होते हैं, जहां कम से मध्यम स्तर की वर्षा (200-800 एमएम वर्षा) होती है।

सब-सहारा वाले अफ्रीका और एशिया के छोटी और शुष्क खेती वाले किसानों के लिये मोटे अनाज नियमित भोजन का हिस्सा हैं। इनसे पोषक तत्व मिलते हैं तथा इनकी फसल किसानों के लिये आजीविका का मुख्य साधान हैं। मोटे अनाजों का उपयोग, भोजन, चारे, जैव-ईंधन और शराब बनाने में होता है। इसलिये, मोटे अनाजों को स्मार्ट-फूड कहा जाता है, क्योंकि वे उपभोक्ताओं के लिये बेहतर हैं, किसानों के लिये बेहतर हैं और धरती के लिये बेहतर हैं।

मोटा अनाज स्मार्ट-फूड के रूप में: महत्व और लाभ

• पोषक तत्वों से भरपूरः मोटे अनाज, गेहूं और चावल की तुलना में पोषण के मामले में श्रेष्ठ हैं, क्योंकि उनमें प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है तथा अमीनो एसिड अधिक संतुलित रूप में मौजूद है। इसी तरह, अनाज में फाइबर की मात्रा भी कुछ अन्य अनाजों की तुलना में अधिक होती है। मोटे अनाजों में विभिन्न प्रकार के फायटोकैमिकल्स भी पाये जाते हैं, जो एंटी-इंफ्लेमेट्री और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों के कारण रोगनाशक भी होते हैं।

• जलवायु अनुकूल : मोटा अनाज सूखी जमीन की खेती के लिये रामबाण है। इनकी फसलों में कम कार्बन होता है और पानी की भी कम जरूरत होती है। यह अधिक गर्म वातावरण का सामना करे में सक्षम होते हैं, कम उपजाऊ जमीन पर इसकी खेती हो सकती है, इनके लिये खाद-पानी की जरूरत कम से कम पड़ती है। यही वजह है कि मोटे अनाज को 'चमत्कारी अनाज' या 'भविष्य की फसलें' कहा जाता है। जलवायु परिवर्तन के युग में, छोटे किसानों के लिये ये सबसे सुरक्षित फसलें हैं, क्योंकि ये सख्त फसलें हैं, सहनशील हैं, गर्म (50 डिग्री सेल्सियस तक) वातावरण तथा सूखे की स्थिति में भी पैदा हो जाती हैं।

• स्वास्थ्य के लिये लाभः मोटे अनाज पोषक तत्त्वों से भरपूर हैं, जैसे कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन, भोज्य फाइबर, अच्छी श्रेणी की वसा का स्रोत हैं। इनमें कैल्शियम, पोटेशियम, मैगनेजियम, लौह, मैंग्नीज, जिंक और बी कॉम्प्लेक्स विटामिन पाये जाते हैं। इसलिये अन्य अनाजों की तुलना में इन्हें अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिये। मोटे अनाज के सेवन से मोटापा, मधुमेह और जीवनशैली से उत्पन्न रोगों से निपटने में आसानी होती है, क्योंकि इनमें ग्लूटेन नहीं होता, ग्लासेमिक इंडेक्स में इनका क्रम नीचे है और डायटरी फाइबर में इनका क्रम ऊपर है तथा इनमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स भरे हैं।

• पारिस्थितिकीय रूप से टिकाऊः मोटे अनाज रासायनिक उर्वरकों के इस्तेमाल पर निर्भर नहीं हैं। इन फसलों में कीड़े नहीं लगते और ज्यादातर मोटे अनाज भी भंडारण में लगने वाले कीड़ों से मुक्त होते हैं। इस तरह, कीटनाशकों की भी जरूरत नहीं पड़ती।

मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा की गई प्रमुख पहल

- मोटे अनाज के पोषक तत्व को देखते हुए, सरकार ने अप्रैल 2018 में मोटे अनाज को पोषक अनाज के रूप में अधिसूचित किया है।
- सरकार, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम)-पोषक-अनाज पर उप मिशन के तहत प्रदर्शन और प्रशिक्षण के माध्यम से रागी, ज्वार, बाजरा और अन्य कई मोटे अनाज जैसे पोषक अनाज (मोटे अनाज) के लिए किसानों के बीच जागरूकता पैदा कर रही है।
- सरकार अनुसंधान एवं विकास सहायता के माध्यम से पोषक मोटे अनाजों को लोकप्रिय बना रही है। मोटे अनाज की खपत को बढ़ावा देने वाले व्यंजनों और मूल्यवर्धित उत्पादों को विकसित करने के लिए स्टार्ट-अप और उद्यमियों को भी सहायता दी जा रही है। 2018 से फरवरी 2022 तक मोटे अनाजों की आठ बायो-फोर्टिफाइड किस्मों/संकरों को खेती के लिए जारी किया गया है।

- पोषक अनाज के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने अपने सर्वोच्च कृषि निर्यात प्रोत्साहन निकाय, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के माध्यम से दिसंबर 2022 से दुनिया भर में भारत से मोटे अनाज के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार की है।
- भारतीय मोटे अनाज और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों के प्रचार के लिए, केंद्र ने लक्षित देशों में से प्रत्येक पर 30 ई-कैटलॉग विकसित किए हैं, जिसमें विभिन्न भारतीय मोटे अनाज और निर्यात के लिए उपलब्ध उनके मूल्य वर्धित उत्पादों की श्रेणी, सक्रिय निर्यातकों, स्टार्ट-अप्स, एफपीओ और आयातक/खुदरा श्रृंखला/हाइपर मार्केट्स आदि की सूची शामिल है, जिन्हें विदेशों में भारतीय दूतावास, आयातकों, निर्यातकों, स्टार्ट-अप्स और हितधारकों को प्रेषित किया जाना है।
- नीति आयोग ने 20 दिसंबर, 2021 को संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के साथ एक आशय पत्र (एसओआई) पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी मोटे अनाज को मुख्यधारा में लाने और अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के एक अवसर का उपयोग करके विश्व स्तर पर ज्ञान के आदान-प्रदान में भारत का समर्थन करने पर केंद्रित है।
- केंद्रीय बजट 2022-23 में इस बात पर जोर दिया गया है कि फसल कटाई के बाद मूल्य संवर्धन, घरेलू खपत बढ़ाने और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोटे अनाज के उत्पादों की ब्रांडिंग के लिए सहायता प्रदान की जाएगी।
- कृषि क्षेत्र पर केंद्रीय बजट 2022-23 के सकारात्मक प्रभाव से निपटने के लिए 24 फरवरी, 2022 को आयोजित एक वेबिनार में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कॉरपोरेट जगत से भारतीय मोटे अनाज की ब्रांडिंग और प्रचार करने में आगे आने का आह्वान किया।
- संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा रोम (इटली) में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के शुभारंभ समारोह के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मोटे अनाज को भविष्य के लिए भोजन का विकल्प बनाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि जलवायु परिवर्तन किस प्रकार खाद्य उपलब्धता को प्रभावित कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा था, "मोटा अनाज उपभोक्ता, किसान और जलवायु के लिए अच्छा है।"
- केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 20 दिसंबर, 2022 को संसद प्रांगण में सांसदों के लिए 'विशेष मोटे अनाज से तैयार दोपहर का भोजन' आयोजित करके देश और दुनिया में मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए मोटे अनाज से तैयार किए गए भोजन के माध्यम से भारतीय मोटे अनाज की विविधता और मोटे अनाज के व्यंजनों की विविधता को रेखांकित करने के लिए एक बड़ी पहल की गई।
- मोटे अनाज की खपत को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य से जुड़े उनके लाभों को ध्यान में रखते हुए, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) के सभी कार्यालयों ने हाल ही में अपनी कैंटीनों और बैठकों में मोटे अनाजों को पेश करने तथा बढ़ावा देने का निर्देश दिया है।
- बच्चों के बीच पोषण बढ़ाने के लिए, केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों से पीएम पोषण योजना के तहत मोटे अनाज शुरू करने की संभावना का पता लगाने का अनुरोध किया है, जिसमें उन जिलों को प्रमुखता दी गई है, जहां मोटे अनाज को भोजन में शामिल करना सांस्कृतिक रूप से स्वीकृत आदत है।
- 2023 को 'अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष' घोषित करके, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दुनिया भर में मोटे अनाज की खेती के क्षेत्र को बढ़ाने की दिशा में काम किया है। भारत, विश्व भर में मोटे अनाजों का सबसे बड़ा उत्पादक है और, इस अवसर का लाभ उठाने के लिए व्यापक कदम उठा रहा है।

कार्यकर्ताओं को मिल रही धमकियों के खिलाफ डीसीपी से मिले भाजपा कार्यकर्ता

सुशील शर्मा बोले- भाजपा नेताओ व जनता की सुरक्षा मे चूक बर्दाश्त नही

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

पिछले कई दिनो से भाजपा नेताओं को सोशल मीडिया के माध्यम से मिल रही धमकियों के खिलाफ गुरूवार को जालंधर भाजपा प्रधान सुशील शर्मा व पूर्व मंत्री मनोरंजन कालिया के नेतृत्व मे डीसीपी जसकरनजीत सिंह तेजा से पुलिस कंट्रोल रूम मे मिले, जहां सभी भाजपा नेताओ ने सभी तथ्यों को विस्तारपूर्वक पुलिस अधिकारियों से साँझा किया। इस अवसर पर भाजपा जिला प्रधान सुशील शर्मा ने बताया की भाजपा कार्यकर्ताओ उनके परिवारों व लोगो को निरंतर विदेशी व अलग-अलग राज्यो के टेलीफोन नंबरो से धमकी भरे व्हाट्स अप काल, मैसेज आ रहे है जिसको लेकर पिछले कई दिनो से शिकायतकर्ताओं ने थानो मे शिकायत दर्ज करवाई है।

परंतु इस पर कोई ठोस क़ानूनी कारवाई नहीं होती दिख रही थी जिसके बाद भाजपा का कार्यकर्ता एकजुट होकर सारा मामला उच्च अधिकारियों के समक्ष रखने आये थे। सुशील शर्मा ने कहा कि भाजपा नेताओ व जनता की सुरक्षा को यक़ीनी बनाया जाए। उनकी सुरक्षा मे किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नही की जायेगी। इस सारे घटना क्रम को पंजाब भाजपा प्रधान अश्वनी शर्मा व डीजीपी गौरव यादव के ध्यान मे लाया जायेगा।

इस मौके पर पंजाब भाजपा युवा मोर्चा के उप-प्रधान अशोक सरीन हिक्की, पूर्व पार्षद अश्वनी भंडारी, पार्षद पति विवेक खन्ना, प्रदीप खुल्लर, हनी कंबोज, सन्नी शर्मा, अजय चोपड़ा, देविंद्र अरोड़ा, भगत मनोहर लाल मौजूद थे।

अमृतसर में 'एनआरआई पंजाबियों के साथ मिलनी' प्रोग्राम कल

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार प्रवासी पंजाबियों की शिकायतों और समस्याओं का हल करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए राज्य सरकार 'एन.आर.आई. पंजाबियों के साथ मिलनी' समारोह करवा रही है, जिससे प्रवासी पंजाबियों से सम्बन्धित मामलों को जल्दी और सन्तोषजनक ढंग से हल किया जा सके। पंजाब के प्रवासी भारतीय मामलों से सम्बन्धित मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने बताया कि अमृतसर में 'एन. आर.आई. पंजाबियों के साथ मिलनी' प्रोग्राम कल 30 दिसबंर को करवाया जा रहा है, जहाँ अमृतसर, गुरदासपुर, पठानकोट और तरन तारन आदि जिलों से सम्बन्धित प्रवासी पंजाबियों के मामलों की सुनवाई करके उनका हल किया जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रवासी पंजाबी ऑनलाइन या मौके पर रजिस्ट्रेशन भी करवा सकते हैं।

धालीवाल ने बताया कि प्रवासी पंजाबियों की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक मामलों से जुड़ी सभी समस्याओं का निर्धारित समय में निपटारा किये जाने के लिए पंजाब सरकार विशेष नीति तैयार कर रही है। उन्होंने बताया कि एन.आर. आई. पंजाबियों की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए पंजाब सरकार हर साल दिसंबर और अप्रैल के महीनों में दो बार एन.आर.आई. मिलनी समारोह करवाएगी।

धालीवाल ने बताया कि इसके अंतर्गत ज़िला जालंधर में 16 दिसंबर को आयोजित किये गए प्रोग्राम में 160 मामले, 19 दिसंबर को एस.ए.एस. नगर (मोहाली) में 74 मामले और 23 दिसंबर को लुधियाना में 170 मामले और 26 दिसंबर को मोगा में 120 से अधिक मामलों की सुनवाई की गई।

नए वर्ष पर होशियारपुर वासियों को मिलेगी अति-आधुनिक वैक्यूम क्लीनिंग मशीन

कैबिनेट मंत्री जिम्पा की मौजूदगी में मशीन का हुआ सफल ट्रायल

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब के शहरों को साफ़-सुथरा रखने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए दोआबे के प्रमुख शहर होशियारपुर को नए साल में अति-आधुनिक वैक्यूम क्लीनिंग मशीन मिलेगी। इस मशीन का सफल ट्रायल बीती शाम कैबिनेट मंत्री और होशियारपुर से विधायक ब्रम शंकर जिम्पा की हाजिऱी में किया गया।

जिम्पा ने बताया कि राज्य को साफ़-सुथरा और सुंदर बनाने के मुख्यमंत्री भगवंत मान के सपने को साकार करने की दिशा में होशियारपुर वासियों ने एक कदम आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि ट्रक समेत इस मशीन की खरीद करीब 55-60 लाख रुपए होगी। बस स्टैंड चौक होशियारपुर से वैक्यूम क्लीनिंग मशीन के ट्रायल की शुरुआत करते हुए जिम्पा ने बताया कि यह मशीन जल्द ही होशियारपुर की सफ़ाई के लिए उपलब्ध होगी। इस मशीन की खरीद के बाद होशियारपुर पंजाब के उन चुनिन्दा शहरों में शामिल हो जायेगा जहाँ साफ़-सफ़ाई ऐसी अति-आधुनिक मशीनों से हो रही है। उन्होंने बताया कि नए साल के आगमन पर शहर निवासियों को यह तोहफ़ा दिया गया है, जिससे बिना धूल-मिट्टी उड़ाए शहर को साफ़ किया जा सके। ब्रम शंकर जिम्पा ने कहा कि उनकी कोशिश है कि जल्द से जल्द होशियारपुर को डम्प फ्री शहर बनाया जाये और इसके लिए प्रयास शुरू हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि होशियारपुर के विकास के लिए किसी भी तरह की कमी नहीं आने दी जायेगी और आने वाले समय में विकास की गति और तेज़ की जायेगी।

श्री गुरु गोबिद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर संधवां तख्त श्री पटना साहिब में नतमस्तक

• जालंधर ब्रीज.पटना/चंडीगढ़

पंजाब विधान सभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ एक बैठक कर विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-चर्चा की। पंजाब विधान सभा के एक प्रवक्ता के अनुसार यह एक शिष्टाचार बैठक थी, जिसमें संधवां ने बिहार में बसने वाले पंजाबियों के विभिन्न मुद्दों संबंधी नीतीश कुमार के साथ चर्चा की। इस दौरान दोनों नेताओं ने कृषि, डेयरी फार्मिंग, संस्कृति, खेल, विज्ञान, नवीन तकनीकों आदि पर चर्चा की। बैठक के बाद संधवां ने बताया कि उनकी नीतीश कुमार के साथ चर्चा बहुत अच्छी रही और उनको बिहार में बसने वाले पंजाबियों के बारे में काफी कुछ जानने का अवसर मिला।

इससे पहले पटना में पहुँचकर संधवां तख्त श्री पटना साहिब में नतमस्तक हुए और उन्होंने श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी के प्रकाश पर्व पर श्रद्धाँजलि भेंट की। उन्होंने अच्छे जीवन के निर्माण के लिए लोगों को गरू जी की शिक्षाओं पर चलने का आह्वान किया।

पंजाब सरकार किसानों, मज़दूरों, मिलरों व आढतियों से किये वायदे पर खरी उतरी

सरकार ने 182.11 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की, किसानों के खातों में 37,514 करोड़ रुपए की राशि जमा की

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने धान का खरीद सीजन शुरू होने से पहले किसानों, मज़दूरों, मिलरों और आढतियों के साथ निर्विघ्न खरीद को सुनिश्चित बनाने का वायदा किया था।

सरकार अपनी वचनबद्धता पर पूरी तरह खरी उतरी है, जोकि इस तथ्य से साबित होता है कि मौजूदा सीजन के दौरान 184.45 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य में से 182.11 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) धान की खरीद की गई। यह खरीद भारत सरकार द्वारा निर्धारित 2060 रुपए प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम. एस.पी.) पर की गई।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री लाल चंद कटारूचक्क के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत इस बार मंडियों में किसानों को किसी किस्म की कोई दिक्कत नहीं आने दी गई और खरीद के साथ-साथ लिफ्टिंग भी समय पर की गई। खरीद के 4 घंटों के अंदर ही किसानों के बैंक खातों में अदायगी कर दी गई।

राज्य सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए 583 सार्वजनिक स्थानों और 37 चावल मिलों को अंतरिम खरीद केंद्र घोषित करने के अलावा मंडियों में 1806 पारंपरिक खरीद केंद्र स्थापित किये थे और फिर अलॉटमैंट की गई। एफसीआई समेत सरकारी खरीद एजेंसियों ने राज्य की एजेंसियों द्वारा खऱीदे गए धान के लिए लगभग 8 लाख किसानों के खातों में 37,514 करोड़ रुपए की राशि जमा की गई। विभाग और मंडी बोर्ड ने निर्विघ्न खरीद को सुनिश्चित बनाने के लिए अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा अंतरराज्यीय बैरियरों पर नाके लगाकर अन्य राज्यों से आ रहे ग़ैर-कानूनी धान को प्रभावशाली ढंग से रोकने के लिए पंजाब पुलिस का योगदान भी सराहनीय है।

राज्य सरकार की कस्टम मिलिंग नीति की भारत सरकार ने भी सराहना की है, जिसने पंजाब सरकार को अपना अनुभव अन्य राज्यों के साथ साझा करने के लिए कहा है।

पहले 8 महीनों के दौरान जीएसटी राजस्व में 24.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज : हरपाल सिंह चीमा

आम निरीक्षणों के द्वारा ईमानदार करदाताओं को परेशान करने की बजाय तकनीक के प्रयोग पर दिया गया ज़ोर

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के पहले आठ महीनों के दौरान कराधान विभाग ने पिछले साल के मुकाबले महीना-दर-महीना अपनी कारगुज़ारी में सुधार किया है। उन्होंने कहा कि इस साल अप्रैल से नवंबर के महीनों के दौरान वस्तु एवं सेवा कर (जी. एस.टी.) से राजस्व वित्तीय वर्ष 2021-22 की इसी समय-सीमा के मुकाबले 24.5 प्रतिशत बढ़ा है। यहाँ जारी प्रैस बयान में यह प्रगटावा करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2021- 22 के पहले आठ महीनों के दौरान जी.एस. टी. से कुल राजस्व 9612.6 करोड़ रुपए था, जबकि इस साल अप्रैल से नवंबर महीने तक कुल जी.एस.टी. कलैक्शन 11967.76 करोड़ रुपए रहा, जिससे 2355.6 करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि इसी दौरान विभाग द्वारा आम निरीक्षणों के द्वारा ईमानदार करदाताओं को परेशान करने की बजाय तकनीक के प्रयोग पर ज़ोर दिया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने एन.आई. सी द्वारा बनाए गए नवीनतम डेटा

विश्लेषण टूल, जी.एस.टी प्राइम की सेवाओं का प्रयोग करने का भी फ़ैसला किया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी प्राइम अलग-अलग मापदण्डों पर विशेष डेटा विश्लेषण रिपोर्टें बनाने में मदद करेगा और इन रिपोर्टों के अनुसार अपेक्षित कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि विभाग ने करदाताओं के मार्गदर्शन और सुविधा देने के लिए बहुत सी गतिविधियाँ भी की हैं, जिससे वह अपना कारोबार बढिय़ा तरीके से कर सकें।

वित्त मंत्री चीमा ने कहा कि पंजाब सरकार ने जी.एस.टी.एन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध डेटा की निगरानी के लिए स्टेट जी.एस. टी कमिश्नरेट में एक नया टैक्स इंटेलिजेंस यूनिट (टी.आई.यू.) भी स्थापित करने का फ़ैसला भी इसीलिए किया है क्योंकि रजिस्टर्ड करदाताओं की सभी सेवाएं और रिटर्न जी.एस.टी.एन प्लेटफॉर्म पर डिजिटल मोड में उपलब्ध हैं और यह बहुत सारा डेटा तैयार कर रहा है। नये साल 2023 के दौरान इमानदार करदाताओं की सुविधा के लिए कराधान विभाग द्वारा और दोस्ताना पहलों को अपनाने का वादा करते हुए स. हरपाल चीमा ने कहा कि कराधान विभाग द्वारा पहले से ही जी.एस.टी सम्बन्धी करदाताओं के सवालों और मुद्दों को हल करने के लिए द्विभाषी वाट्सऐप चैटबोट-कम-हेल्पलाइन नंबर 9160500033 लॉन्च किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति जीएसटी के अलग-अलग पहलुओं के बारे में जानकारी लेने के लिए पंजाबी या अंग्रेज़ी में इस नंबर पर वाट्सऐप कर सकता है। उन्होंने कहा कि फीडबैक तंत्र को मज़बूत करने के साथ-साथ करदाताओं को बेहतर सेवाएं मुहैया करने की नीति के अंतर्गत ऐसी और भी कई पहलें शुरू की जाएंगी।

भारत और पाकिस्तान टेस्ट मैच की मेजबानी करना चाहता है मेलबर्न

भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी बार 2007 में खेली गई थी द्विपक्षीय टेस्ट श्रृंखला

मेलबर्न. भारत और पाकिस्तान के बीच इस साल टी20 विश्वकप के दौरान खेले गए मैच की सफलता को देखते हुए मेलबर्न क्रिकेट क्लब (एमसीसी) इन दोनों देशों के बीच टेस्ट मैच की मेजबानी करना चाहता है। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) का प्रबंधन देखने वाले एमसीसी और विक्टोरिया की सरकार ने भारत और पाकिस्तान के बीच टेस्ट मैच की मेजबानी को लेकर हाल में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) से बातचीत की। एमसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टुअर्ट फॉक्स ने अक्टूबर में यहां खेले गए टी20 विश्व कप मैच की जबरदस्त सफलता को देखते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच टेस्ट मैच के आयोजन में दिलचस्पी दिखाई है। इन दोनों देशों के बीच खेले गए इस मैच में 90 हजार से अधिक दर्शक उपस्थित थे। फॉक्स ने एसईएन रेडियो से कहा, 'निश्चित तौर पर एमसीजी में लगातार तीन टेस्ट मैचों का आयोजन शानदार होगा। हर बार स्टेडियम खचाखच भरा होगा। हमने इस

• फोटो-बीसीसीआई

बारे में जानकारी ली है।' उन्होंने कहा, 'हमने इस बारे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से बात की है। मैं जानता हूं कि (विक्टोरिया) सरकार ने भी ऐसा किया है। मैं जानता हूं कि व्यस्त कार्यक्रम के बीच यह बेहद जटिल है इसलिए मेरा मानना है कि संभवत: यह बहुत बड़ी चुनौती है।' फॉक्स ने कहा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को इस बारे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से बात करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इस बारे में आईसीसी से बात करता रहेगा और इस पर जोर देता रहेगा। जब आप दुनिया भर में कई स्टेडियमों को खाली देखते हैं तो ऐसे में मुझे लगता है खचाखच भरा स्टेडियम और वहां का माहौल खेल के लिए बेहतर होगा।' भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय टेस्ट श्रृंखला आखिरी बार 2007 में खेली गई थी। इसके बाद उनका सामना आईसीसी या एशियाई क्रिकेट परिषद के टूर्नामेंट में ही हुआ है। पाकिस्तान को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अगले चक्र में 2023 में एमसीजी पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच खेलना है। फॉक्स को उम्मीद है कि तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के इस मैच में भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप के मैच की तरह ही स्टेडियम खचाखच भरा होगा। उन्होंने कहा,'' जिस तरह का माहौल भारत और पाकिस्तान के उस मैच में था, मैंने वैसा माहौल एमसीजी में पहले कभी नहीं देखा था। प्रत्येक गेंद के बाद शोर उठना अभूतपूर्व था। लोगों ने अपने परिवार और बच्चों के साथ इसका पूरा लुत्फ उठाया था।

'भारत रत्न अटल सम्मान-2022' से सम्मानित हुई होशियारपुर की डॉ. नीना सैनी

शिक्षा विभाग चंडीगढ़ से बतौर पंजाबी लेक्चरार दे चुकी हैं सेवाएं

• जालंधर ब्रीज.होशियारपुर

पंजाब की प्रसिद्ध कवित्री व कहानीकार होशियारपुर की डा. नीना सैनी को हाल ही में 25 दिसंबर को भारत रत्न अटल सम्मान-2022 से सम्मानित किया गया। 25 दिसंबर को लखनऊ(उत्तर प्रदेश) में पत्रकारों के राष्ट्रीय संगठन प्रिंट मीडिया वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन की ओर से उन्हें इस सम्मान से नवाजा गया। उनके सम्मान से साहित्य क्षेत्र में खुशी का माहौल है। चंडीगढ़ शिक्षा विभाग से बतौर पंजाबी लेक्चरार रिटायर्ड डा. नीना सैनी के 10 कहानी व काव्य संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। एम.ए, बी.एड, एम.एड. व पी.एच.डी(ज्योतिष व वास्तु) के बावजूद पंजाबी कविता व कहानी लेखन को लेकर उनकी रुचि ने उन्हें साहित्य के इस क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया। उन्हें अवार्ड ऑफ ऑनर (ज्योतिष प्रांगण) व अवार्ड ऑफ ऑनर अखिल भारतीय ज्योतिष मंच से भी सम्मानित किया जा चुका है और वे एक सर्टिफाइड मैगा वास्तु एक्सपर्ट भी है। साहित्य व ज्योतिष के क्षेत्र में जिले का नाम रौशन करने वाली नीना सैनी बताती हैं कि बचपन में मां व ग्रेजुएशन करते हुए बड़े भाई की मौत के बाद अपनी भावनाओं को उन्होंने कविता के रुप में जाहिर किया, जिसके बाद कविता लेखन के प्रति उनका रुझान बना। एम.एड करने के बाद उन्होंने चंडीगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग में बतौर पंजाबी अध्यापक के तौर पर काम करना शुरु किया लेकिन साहित्य से उनका प्रेम ज्यों का त्यों बना रहा। लिखते-लिखते उनके अब तक दस संयुक्त काव्य व कहानी संग्रह जिनमें सांझा कविता संग्रहों में रंगरेज, त्रासदी, कलमां दी सांझ, वेहड़े दियां रौणकां, काव्यांजलि, धीयां-पैणां सांझियां, सृजक, गुलदान व सांझा कहानी संग्रहों में जज्बातों के पर्दे, नारी मन की कहानियां प्रकाशित हो चुकी हैं, इसके अलावा उनकी अपनी मौलिक पुस्तक 'सधरां की हवेली' का भी लोकार्पण हो चुका है। कविता लिखने के साथ-साथ उनका ज्योतिष के क्षेत्र में भी रुझान बढ़ा, जिसमें उन्होंने अलग-अलग विषयों में महारत हासिल करते हुए डाक्टरेट की उपाधि व अन्य कई सम्मान प्राप्त किए।

डा. नीना सैनी ने बताया कि उनके साहित्यक सफर में उनके पति रिटायर्ड बैंक मैनेजर अजीत सिंह धनोता का बहुत सहयोग रहा। उन्होंने कहा कि उनकी एक अन्य मौलिक पुस्तक भी जल्द ही 2023 में लोगों तक पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि रेकी ग्रैंड मास्टर, ज्योतिष, नाड़ी ज्योतिष, निमरोलोजिस्ट, टैरो कार्ड रीडर, वास्तु एक्सपर्ट, पास्ट लाइफ रिगरैशन, फेस रीडर, पामिस्ट, स्विच वर्डज, एंजल थैरेपिस्ट, ई. एफ.टी का भी उन्हें काफी अनुभव है और इन विषयों पर वे हमेशा लोगों तक अपनी राय पहुंचाती रही हैं।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.